P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking An Analisation
RNI No.UPBIL/2016/67980
Vol-I* Issue- V* August - 2016

दंतेवाड़ा जिले में संचालित शैक्षिक योजनाओं का परिचय

मुकेश कुमार
सहायक प्राध्यापक,
वाणिज्य विभाग,
शासकीय दंतेश्वरी पी.जी. महाविद्यालय,
दंतेवाड़ा, छ.ग.

सारांश

दंतेवाड़ा जिला छत्तीसगढ़ प्रदेश के राजधानी रायपुर से लगभग 400 किमी दुर दक्षिणी छोर पर सघन वंनाचल क्षेत्र में स्थित है। तथापि केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न शैक्षिक विकास हेतु कई योजनाएँ संचालित है, उसी तत्परता से जिले में स्थानीय स्तर पर जिला प्रशासन दंतेवाड़ा द्वारा कियान्वयन करने हेतु जमीनीं स्तर पर कियाशील है,यद्यपि यह जिला प्रायः माओवादी गतिविधियों के कारण सुर्खियों पर रहता है, फलतः यहॉ सामान्य क्षेत्रों की तरह शैक्षिक वातावरण की दरकार होती है, इसी परिप्रेक्ष्य में जिले में भले ही क्षेत्र विशेष के कारण नाम परिर्वतन कर अन्य नामों से शैक्षिक विकास हेतु कई संस्था संचालित है यथा – छु लो आसमान, नन्हे परिन्दें, पोर्टाकेबिन लक्ष्य, लाइवलीहुड कॉलेज आदि। अध्ययन का उद्देश्य यह है कि जिले के वनांचल क्षेत्रों में शैक्षिक विकास हेतु सचालित संस्थाओं से परिचय होना है। इसके लिए उक्त संस्थानों में जाकर आवश्यक जानकारी एकत्र किया गया है। जिसमें पाया गया कि प्राथमिक स्तर से लेकर स्नातक, स्नातकोत्तर पास बालक /बालिकाओं हेतु कैरियर संवारने हेतु अलग–अलग स्तर पर अलग– अलग नामों से संस्थाएँ संचालित है।

मुख्य शब्द : पी.ई.टी.– प्री.इंजिनियरिंग टेस्ट ,पी. एम. टी. – प्री. मेडिकल टेस्ट, एन.एम.डी. सी. – नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन , सी.बी. एस.ई. – सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकेन्ड्ररी एजुकेशन , सी. एस. आर. – कॉरपोरेट सोशल रिसपांसिबलिटि।

प्रस्तावना

वेदों मे कहा गया है कि विद्या विहीन मानव पशु के समान है। शिक्षा व्यक्ति का अभिन्न अंग है, जो शरीर के अवसान के बाद भी समाप्त नही होता क्योकिं उनके विचार ,कर्तव्य ,सोच, लेखन एवं दर्शन प्रेरित आत्मबल प्रदान करता है। **कोल मिताली (2012)** वर्तमान युग मे शिक्षा सबसे महत्तवपूर्ण संस्था है। जो व्यक्ति का सामाजीकरण करने के साथ सामाजिक परिर्वतन को एक नई दिशा देती है विकास की आवश्यकता पूरा करने मे भी इसकी महत्तवपूर्ण भूमिका है। यही कारण है कि आधुनिक समाज मे शिक्षा को सामाजिक परिर्वतन के एक महत्तवपूर्ण स्रोत के रूप मे देखा जाता है। शिक्षा को जीवन से पृथक नहीं किया जा सकता, यदि प्रगति ही जीवन है तो शिक्षा इस प्रगति को उचित दिशा मे नियंत्रित व संचालित करती है। दंतेवाड़ा जिले में माओवादी गतिविधियों के कारण सामान्य क्षेत्रों की तरह शैक्षिक वातावरण की दरकार होती है, विशेषकर प्राथमिक/माध्यमिक स्तर पर। इसी परिप्रेक्ष्य में जिले में भले ही क्षेत्र विशेष के कारण नाम परिर्वतन कर अन्य नामों से शैक्षिक विकास हेतु कई संस्था संचालित है यथा – छु लो आसमान, नन्हे परिन्दें, पोर्टाकेबिन आदि।

प्रस्तुत शोध आलेख के अध्ययन का उद्देश्य यह है कि जिले के वनांचल क्षेत्रों में शैक्षिक विकास हेतु प्राथमिक स्तर से लेकर स्नातक, स्नातकोत्तर पास बालक /बालिकाओं हेतु कैरियर संवारने हेतु अलग–अलग स्तर पर अलग– अलग नामों से सचालित संस्थाओं से परिचय होना है। जिसका विस्तृत वर्णन अग्राकिंत है–

आदर्श एकलव्य कन्या आवासीय विद्यालय कटेकल्याण

उद्देश्य

देश में केन्द्र सरकार द्वारा देश के प्रत्येक अनुसूचित जनजाति अर्थात् ट्राइबल जिले में अनुसूचित जनजाति के बालक /बालिकाओं के शिक्षा में गुणात्मक विकास के आशय से भारतीय संविधान 275–1 के तहत् जवाहर नवोदय विद्यालय की तर्ज पर देश भर में आदर्श एकलव्य कन्या आवासीय विद्यालय नाम से संस्था संचालित है, जो कि हमारे छत्तीसगढ़ प्रदेश में केवल

P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking An Analisation
RNI No.UPBIL/2016/67980
Vol-I* Issue- V* August - 2016

दो कन्या एकलव्य विद्यालय है, जिसमें से एक दंतेवाड़ा जिले के वर्तमान में गीदम (जावंगा) में संचालित है। यहॉ कक्षा छठवीं से बारहवीं तक शिक्षा अध्ययन की सुविधा उपलबध है। जहॉ 11वीं व 12 वीं में केवल विज्ञान संकाय (गणित व जीवविज्ञान)की पढ़ाई होती है। दंतेवाड़ा जिले के लिए यह संस्था अपनेआप में विशिष्ट स्थान रखता है। वर्तमान में आदर्श एकलव्य कन्या आवासीय विद्यालय जांवगा (गीदम) में संचालित है।

संस्था का प्रारम्भ दिनॉक /वर्ष

2005

संस्था संचालन हेतु वित्तीय सुविधा

केन्द्र सरकार से

पढ़ाई का माध्यम

हिन्दी

अन्य कोई विशेष अध्यापन व्यवस्था

पी.ई. टी./ पी.एम. टी की कोचिंग

संस्था का प्रचार /प्रसार का माध्यम

शासन स्तर पर ,विभिन्न बैठकों आदि द्वारा

संस्था की प्रकृति

निःशुल्क आवासीय

प्रवेश प्रक्रिया

कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए प्रदेश भर में एक साथ प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है, जिसमें कक्षा पॉचवीं में अध्ययनरत् या पास बच्चे इस परीक्षा में शामिल हो सकतें हैं।

प्रवेश शर्ते

बालिका को अनुसूचित जनजाति का होना आवश्यक है ,साथ ही छत्तीसगढ़ प्रदेश का निवासी होना अनिवार्य हैं।

सीट संख्या (सीट निर्धारण का आधार)

शासन स्तर पर सीट संख्या निश्चित होती है, वर्तमान में 60 सीट कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतू निर्धारित है।

संस्थानुरूप बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता

हॉ

अन्य कोई सुविधाएँ

स्वास्थ्य परीक्षण हेतू स्टॉफ नर्स व खेलकूद की अन्य सुविधाएँ उपलब्ध है।

संस्था की कोई विशेष उपलब्धि

AIEEE में प्रथम बेच मे तीन बच्चे चयनित हुए। पी.एम. टी. में भी कई बच्चे चयनित हुए है।

यह संस्था जिलें के कलेक्टर की देखरेख एवं नियंत्रण में संचालित है।

छु लो आसमान कन्या आवासीय परिसर कारली, दंतेवाड़ा उद्देश्य

छात्राओं को प्रतिभावान बनाना व पी. ई. टी. /पी. एम. टी. कोचिंग देना । यहॉ 11वीं व 12 वीं में केवल विज्ञान संकाय (गणित व जीवविज्ञान) की पढ़ाई होती है। दंतेवाड़ा जिले के लिए यह संस्था अपनेआप में विशिष्ट संस्था है। बालक एवं बालिका की पृथक–पृथक स्थान पर संस्था संचालित है।

संस्था का प्रारभं दिनॉक /वर्ष

2011–12

संस्था संचालन हेतु वित्तीय सुविधा

जिला प्रशासन दंतेवाड़ा द्वारा राजीव गॉधी शिक्षा मिशन से एवं एन. एम. डी. सी. द्वारा

पढ़ाई का माध्यम

हिन्दी

अन्य कोई विशेष अध्यापन व्यवस्था

पी.ई. टी./ पी.एम. टी की कोचिंग के साथ–साथ पी.पी. टी , पी.ए. टी.।

योजना का प्रचार /प्रसार का माध्यम

शासन स्तर पर होडिंग्स व इंटरनेट के द्वारा

संस्था की प्रकृति

निःशुल्क आवासीय

प्रवेश प्रकिया

कक्षा 11 वीं में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है, जिसमें कक्षा दसवीं में अध्ययनरत् या पास बच्चे इस परीक्षा में शामिल हो सकतें हैं।

प्रवेश शर्ते

10 वीं पास , स्थानीय स्तर पर 80 प्रतिशत व प्रदेश स्तरीय 20 प्रतिशत भर्ती की जाती है, साथ ही छत्तीसगढ़ प्रदेश का निवासी होना अनिवार्य हैं।

सीट संख्या (सीट निर्धारण का आधार)

शासन स्तर पर सीट संख्या निश्चित होती है, वर्तमान में 120 सीट कक्षा 11वीं व 12वीं में प्रवेश हेतू निर्धारित है ।

संस्थानुरूप बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता

हॉ

अन्य कोई सुविधाएँ

स्वास्थ्य परीक्षण हेतू स्टॉफ नर्स व खेलकूद की अन्य सुविधाएँ उपलब्ध है।

संस्था की कोई विशेष उपलब्धि

2014 में छत्तीसगढ़ प्रदेश की मेरिट में 8वॉ स्थान प्राप्त किया था। 2015 में एक छात्रा को IBC 24 News Chennel द्वारा सम्मानित व 50 हजार रू. की धनराशि प्रदान की गई।

टीप

सुझावस्वरूप छात्राओं को मनोरंजन सुविधा व कम्प्युटर प्रशिक्षण की सुविधा की होनी चाहिए। **पोर्टाकेबिन कन्या आवासीय परिसर चितालुर, दंतेवाड़ा उद्देश्य**

शाला त्यागी, अनाथ व अति दुरस्थ वनांचल क्षेत्रों में निवासरत् बच्चों को शिक्षा के मुख्य धारा में जोड़ने के आशय से पोर्टाकेबिन नाम से बालक व बालिकाओं हेतु दंतेवाड़ा जिलें में अलग–अलग संस्था संचालित की जा रही है। जहॉ कक्षा पहली से कक्षा आठवीं तक की पढ़ाई होती है। जिले में बालक/बालिकाओं की पृथक पृथक 18 पोर्टाकेबिन संचालित है। सभी पोर्टाकेबिन के संचालन व निंयत्रण की प्रक्रिया एक समान है।

योजना का प्रारभं दिनॉक /वर्ष

सितम्बर 2012

संस्था संचालन हेतु वित्तीय सुविधा

केन्द्र सरकार से राजीव गॉधी शिक्षा मिशन योजना अंर्तगत

पढ़ाई का माध्यम

हिन्दी

P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking An Analisation
RNI No.UPBIL/2016/67980
Vol-I* Issue- V* August - 2016

अन्य कोई विशेष अध्यापन व्यवस्था

निरंक

संस्था का प्रचार /प्रसार का माध्यम

जिला स्तर पर बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी व खण्ड शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर संस्था के स्टॉफ द्वारा गॉव– गॉव में जाकर बच्चों के माता– पिता से चर्चा कर बच्चों को र्पोटाकेबिन में प्रवेश दिया जाता है।

संस्था की प्रकृति

निःशुल्क आवासीय

प्रवेश प्रकिया

प्राथमिक स्तर की सामान्य जानकारी के आधार पर कक्षा पहली में प्रवेश दिया जाता है।

प्रवेश शर्ते

कुछ विशेष नही किंतु जिले में अंदरूनी इलाकों में निवासरत् बच्चों को प्रवेश दिया जाता है। साथ ही छत्तीसगढ़ प्रदेश का निवासी होना अनिवार्य हैं।

सीट संख्या (सीट निर्धारण का आधार)

कक्षा पहली से आठवीं तक के लिए कुल 500 सीट निर्धारित है , जिसमें पहली कक्षा हेतु 65 सीट आरक्षित है। जो कि समयानुसार शासन द्वारा परिर्वतनीय है।

संस्थानुरूप बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता

हॉ

अन्य कोई सुविधाएँ

स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा , इसके अलावा डासिंग, पेन्टिग, व संगीत भी सिखाया जाता है।

संस्था की कोई विशेष उपलब्धि

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में बॉलीबाल व दौड़ हेतु चयनित, कन्या शिक्षा परिसर हेतु चयनित ।

टीप– सुझावस्वरूप

माता पिता को जागरूक होकर अधिक से अधिक छात्राओं द्वारा इस संस्था का लाभ लेना चाहिए।

नन्हे परिन्दे, जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र पात ररास

उद्देश्य

एक प्रकार का कोचिंग सेंटर है जो आदिवासी बच्चों में प्राथमिक स्तर से ही शिक्षा के विकास, व उनकी प्रतिभा को निखारनें हेतु यह संस्था स्थापित की गई है। इसमें गरीब व अंदरूनी इलाकों में अध्ययनरत् प्रतिभावान् छात्र/छात्राओं को जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश पूर्व प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही साथ कक्षा पॉचवीं का भी पढ़ाई कराया जाता है।

संस्था का प्रारभं दिनॉक /वर्ष

अगस्त 2011–12

संस्था संचालन हेतु वित्तीय सुविधा

केन्द्र सरकार से राजीव गॉधी शिक्षा मिशन योजना अंर्तगत

पढ़ाई का माध्यम

हिन्दी

अन्य कोई विशेष अध्यापन व्यवस्था

एकलव्य कन्या शिक्षा परिसर, कन्या शिक्षा परिसर में प्रवेश हेतु अतिरिक्त कोचिंग।

संस्था का प्रचार /प्रसार का माध्यम

जिला स्तर पर बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी व खण्ड शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर अन्य स्कुलों जानकारी देकर में प्रवेश हेतु प्रेरित कराया जाता है।

संस्था की प्रकृति

निःशुल्क आवासीय

प्रवेश प्रकिया

प्रवेश परीक्षा के द्वारा सफल छात्र/ छात्राओं को प्रवेश दिया जाता है।

प्रवेश शर्ते

कुछ विशेष नही किंतु जिले में अंदरूनी इलाकों में निवासरत् बच्चों को जो चौथीं कक्षा पास हो एवं शासकीय स्कुलों में वर्तमान में अध्ययन कर रहा हो। साथ ही जिले के निवासी होना अनिवार्य हैं।

सीट संख्या (सीट निर्धारण का आधार)

कक्षा पॉचवीं हेतू 150 सीट निर्धारित है। जिसमें से 76 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति, 4 अनुसूचित जाति, 14 अन्य पिछड़ा वर्ग, शेष 4 प्रतिशत सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित है।

संस्थानुरूप बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता

हॉ

अन्य कोई सुविधाएँ

प्रत्येक माह स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा , इसके अलावा खेलकुद हेतु ड्रेस भी मुफ्त में प्रदान किया जाता है।

संस्था की कोई विशेष उपलब्धि

07 बच्चे अखिल भारतीय स्तर पर सैनिक स्कुल प्रवेश परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त किये। 01 बालक मुख्यमंत्री से सम्मानित किया गया ।

कन्या शिक्षा परिसर पातररास

उद्देश्य

गरीब व अंदरूनी इलाकों के आदिवासी बच्चों में शैक्षिक विकास व गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने के विकास करने हेतु यह संस्था स्थापित की गई है। जहॉ कक्षा छठवीं से बारहवीं तक संचालित है। यहॉ वर्तमान में छठवीं से आठवीं तक सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम संचालित है ,एवं नौवीं से बारहवीं तक छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल का प्रदेश स्तर का कोर्स अध्यापन कराया जाता है। जो क्रमशः एक– एक कक्षावार सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम तक तबदील किये का प्रावधान है।

योजना का प्रारभं दिनॉक /वर्ष

जुलाई 2012–13

संस्था संचालन हेतु वित्तीय सुविधा

प्रदेश सरकार के आदिवासी विभाग द्वारा ।

पढ़ाई का माध्यम

हिन्दी

अन्य कोई विशेष अध्यापन व्यवस्था

संगीत व कम्प्युटर प्रशिक्षण।

संस्था का प्रचार /प्रसार का माध्यम

जिला स्तर पर बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी व खण्ड शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर व पत्र पत्रिकाओं व टॉपर बच्चों के होडिंग्स आदि से।

P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking An Analisation
RNI No.UPBIL/2016/67980 Vol-I* Issue- V* August - 2016

संस्था की प्रकृति

निःशुल्क आवासीय

प्रवेश प्रकिया

कक्षा छठवीं व नौवीं में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा के द्वारा सफल छात्र/ छात्राओं को प्रवेश दिया जाता है। प्रवेश परीक्षा पूरे प्रदेश में एक साथ प्रायः अप्रैल माह में समपन्न किया जाता है।

प्रवेश शर्ते

मेरिट आधार पर साथ ही जिले के निवासी को प्राथमिकता ,यद्यपि पूरे प्रदेश के बच्चों को लिया जाता है।

सीट संख्या (सीट निर्धारण का आधार)

कक्षा छठवीं से बारहवीं तक कुल 500 सीट निर्धारित है। जिसमें कक्षा छठवीं हेतु 65 सीट स्वीकृत है। सीट निर्धारण शासन द्वारा निर्धारित किया जाता है।

संस्थानुरूप बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता

हॉ

अन्य कोई सुविधाएँ

प्रत्येक बुधवार स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा , इसके अलावा कराते व योग क्लास की सुविधा उपलब्ध है।

संस्था की कोई विशेष उपलब्धि

कक्षा 11वीं 12वीं में चयन हेतु प्रयास जगदलपुर हेतु चयनित हुए।

टीप – संस्था के प्रति बच्चों के माता

पिता में जागरूकता की विशेष कमी पायी गयी।

आस्था विद्या मंदिर जावंगा, गीदम

उद्देश्य

नक्सल पीड़ित व अनाथ बच्चों को निःशुल्क आवासीय अंग्रेजी माध्यम अर्थात् सी.बी. एस. ई. पाठ्यक्रम की शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु यह संस्था स्थापित की गई है। जहॉ यु.के. जी. से कक्षा आठवीं तक संचालित है, जो प्रतिवर्ष एक– एक कक्षा में वृद्वि किया जाता है, अर्थात् अगले वर्ष में यह संस्था नौवीं तक हो जायेगी। जिसे तदन्नतर बारहवीं कक्षा तक किये जाने का शासन की मंशा है।

संस्था का प्रारभं दिनॉक /वर्ष

15 जुन 2013

संस्था संचालन हेतु वित्तीय सुविधा – केन्द्र सरकार की राजीव गॉधी शिक्षा मिशन व जिला स्तर पर एन.एम. डी. सी. से।

पढ़ाई का माध्यम

अंग्रेजी

अन्य कोई विशेष अध्यापन व्यवस्था

अंग्रेंजी कोचिंग व सी व डी ग्रेड के बच्चों को शाम में विशेष कोचिंग प्रदान किया जाता है।

संस्था का प्रचार /प्रसार का माध्यम

संस्था प्रमुख से चर्चानुसार संस्था का प्रचार आवश्यकता नही पड़ी, लोग स्वतः पूछने चलें आतें हैं।

संस्था की प्रकृति

निःशुल्क आवासीय

प्रवेश प्रकिया

प्रवेश हेतु प्राप्त आवेदनों की स्कुटनी हेतु जिला स्तर पर अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति बनी हुई है, जिनकी अनुशंसा पर छात्र/ छात्राओं को प्रवेश दिया जाता है।

प्रवेश शर्ते

अंदरूनी इलाके, निर्धन परिवार,अनाथ, नक्सल पीड़ित बच्चे हों, प्रवेश केवल यु. के. जी. में लिया जाता है, अन्य कक्षाओं में नही। यही बच्चे आगे के कक्षा में प्रवेश पातें है। इसमें दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, बस्तर जिले के निवासी को प्राथमिकता से लिया जाता है।

सीट संख्या (सीट निर्धारण का आधार)

यू. के. जी. में 80 सीट निर्धारित है। इसमें आरक्षण रोस्टर की बाध्यता नही है।

संस्थानुरूप बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता

हॉ

अन्य कोई सुविधाएँ

स्मार्ट क्लास व इंटरनेट की सुविधा उपलबध है। दंतेवाड़ा जिलें के किसी स्कूल में स्मार्ट क्लास सुविधा में प्रथम है।

संस्था की कोई विशेष उपलब्धि

जनवरी 2016 में जम्बुरी जगदलपुर में आयोजित नेशनल लेवल बेन्ड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किये।

संस्था संचालन में कोई समस्या व सुझाव

निंरक

सक्षम–2 कन्या आवासीय परिसर जावंगा,गीदम

उद्देश्य

दिव्यांगों को सामान्य बच्चों की तरह अच्छी शिक्षा देने,उनमें शारीरिक व मानसिक विकास करने व उनमें बहुमुखी विकास करने के उद्देश्य से यह संस्था संचालित है।

संस्था का प्रारभं दिनॉक /वर्ष

1 अप्रैल 2014

संस्था संचालन हेतु वित्तीय सुविधा

केन्द्र सरकार की राजीव गॉधी शिक्षा मिशन के नैमित्क मद जिला स्तर पर एन.एम. डी. सी. के सी.एस. आर.मद से।

पढ़ाई का माध्यम

हिन्दी

अन्य कोई विशेष अध्यापन व्यवस्था

बच्चों की आवश्यकतानुसार विशेष प्रशिक्षण जैसे स्पीचथिरैपी, फीजियोथिरैपी, आदि सुविधा उपलब्ध है।

संस्था का प्रचार /प्रसार का माध्यम

चूंकि यह संस्था शासकीय नही है, अतः जिला में प्रशासनिक स्तर पर किया जाता है।

संस्था की प्रकृति

निःशुल्क आवासीय

प्रवेश प्रकिया

दिव्यांग बच्चों को उनके दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर सीधे प्रवेश।

प्रवेश शर्ते

6– 14 वर्ष के बीच आयु हो। गरीब, नक्सल पीड़ित दिव्यांग बच्चे हों ।

P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking An Analisation
RNI No.UPBIL/2016/67980
Vol-I* Issue- V* August - 2016

सीट संख्या (सीट निर्धारण का आधार)

100 सीट निर्धारित है। इसमें आरक्षण रोस्टर की बाध्यता नहीं है। तथा कक्षा पहली से आठवीं तक सीट रिक्त होने पर किसी भी कक्षा में प्रवेश दिया जाता है।

संस्थानुरूप बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता

हॉ

अन्य कोई सुविधाएँ

आर्ट एवं क्राफ्ट, संगीत सुविधा उपलब्ध है।

संस्था की कोई विशेष उपलब्धि

मार्च 2016 में रायपुर में आयोजित कार्यशाला में सक्षम को स्मृति चिन्ह प्राप्त हुआ। नागपुर में आयोजित संगीत समारोह में प्रदेश का प्रतिनिधित्व किये।

संस्था संचालन में कोई समस्या व सुझााव– निंरक

जिला परियोजना लाइवलीहुड कालेज सोसायटी

उद्देश्य

किसी भी कारण से पढ़ाई छोड़ चूके पुरूष एवं महिला को स्वरोजगार हेतु कौशल विकास करने व स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से यह संस्था स्थापित की गई है।

संस्था का प्रारभं दिनॉक /वर्ष

12 अक्टुबर 2012

संस्था संचालन हेतु वित्तीय सुविधा

राज्य सरकार से व जिला स्तर पर श्रम विभाग से

पढ़ाई का माध्यम

हिन्दी

अन्य कोई विशेष अध्यापन व्यवस्था

पूर्व से निर्धारित ट्रेड अनुसार ही प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

संस्था का प्रचार /प्रसार का माध्यम

फ्लेक्स, होर्डिग्स, समाचार पत्र, सरपंच, सचिव के माध्यम से तथा जनससमस्या निवारण शिविर द्वारा गॉव–गॉव तक।

संस्था की प्रकृति

निःशुल्क आवासीय है, किंतु जो रहना चाहता है उसी के लिए, सबके लिए नहीं।

प्रवेश प्रक्रिया

कोर्स के आधार पर आवेदन पर एवं सीधे प्रवेश।

प्रवश शर्ते

14– 45 वर्ष के बीच आयु हो, जाति या लिंगभेद की बाध्यता नही है।

सीट संख्या (सीट निर्धारण का आधार)

सीट संख्या की लिमिटेशन नही है। फिर भी एक बेच चलाने के लिए कम से कम 20 प्रशिक्षार्थी होना आवश्यक है। यद्यपि 60 सीट क्षमता निर्धारित है।

संस्थानुरूप बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता

हॉ

अन्य कोई सुविधाएँ

हास्टल मे रहने वाले को मुफ्त में खाने– पीने की सुविधा उपलब्ध है।

संस्था की कोई विशेष उपलब्धि

यहॉ से प्रशिक्षित होकर लोग देश– प्रदेश के विभिन्न संस्थानों में कार्य कर रहें हैं साथ ही बहुत लोग स्वरोजगार अपनाकर अपना जीविका चला रहें हैं। यह संस्था पूरे प्रदेश के लिए रोल मॉडल बना गया है। संस्था की सफलता से प्रेरित होकर पूरे प्रदेश में लाइवलीहुड कालेज छ.ग. सरकार द्वारा खोला जा रहा है।

संस्था संचालन में कोई समस्या व सुझााव

निंरक

लक्ष्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र दंतेवाड़ा

उद्देश्य

विभिन्न प्रकार के प्रतियोगी परीक्षा जैसे लोक सेवा आयोग, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षा आदि की तैयारी कराने के उद्देश्य से यह संस्था स्थापित की गई है।

संस्था का प्रारभं दिनॉक /वर्ष

15 अगस्त 2014

संस्था संचालन हेतु वित्तीय सुविधा

राज्य सरकार से व जिला स्तर पर

पढ़ाई का माध्यम

हिन्दी

अन्य कोई विशेष अध्यापन व्यवस्था

समय–समय पर विभिन्न पदों हेतु जारी विज्ञापन अनुसार प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

संस्था का प्रचार /प्रसार का माध्यम

फ्लेक्स, होर्डिग्स, समाचार पत्र,

संस्था की प्रकृति

निःशुल्क आवासीय है, किंतु जो रहना चाहता है उसी के लिए, सबके लिए नही।

प्रवेश प्रक्रिया

कोर्स के आधार पर आवेदन पर एवं सीधे प्रवेश।

प्रवेश शर्ते

14– 45 वर्ष के बीच आयु हो, जाति या लिंगभेद की बाध्यता नही है।

सीट संख्या (सीट निर्धारण का आधार)

सीट संख्या की लिमिटेशन नही है। फिर भी एक बेच चलाने के लिए कम से कम 20 प्रशिक्षार्थी होना आवश्यक है। यद्यपि 60 सीट क्षमता निर्धारित है।

संस्थानुरूप बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता

हॉ

.अन्य कोई सुविधाएँ

हास्टल मे रहने वाले को मुफ्त में खाने– पीने की सुविधा उपलब्ध है।

संस्था की कोई विशेष उपलब्धि

यहॉ से प्रशिक्षित होकर लोग देश– प्रदेश के विभिन्न संस्थानों में कार्य कर रहें हैं साथ ही बहुत लोग स्वरोजगार अपनाकर अपना जीविका चला रहें हैं। यह संस्था पूरे प्रदेश के लिए रोल मॉडल बना गया है। संस्था की सफलता से प्रेरित होकर पूरे प्रदेश में लाइवलीहुड कालेज छ.ग. सरकार द्वारा खोला जा रहा है।

संस्था संचालन में कोई समस्या व सुझाव

निंरक

उजर 100

दंतेवाड़ा जिले की एकदम नई शैक्षिक पहल जो 2015 में प्रारभं की गई है। उजर 100 का तात्पर्य है कि जो बालक /बालिका 12 वीं कक्षा में उर्त्तीण हुए है, उनका जिले द्वारा मेरिट क्रम तैयार किया जाता है इसमें सर्वोच्च 100 में बच्चे स्थान पाता है उनका पूरे छत्तीसगढ़

P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking An Analisation
RNI No.UPBIL/2016/67980
Vol-I* Issue- V* August - 2016

में कहीं भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु फीस सहित रहने खाने की पूरा खर्च जिला प्रशासन वहन करेगा। योजना के प्रारभिंक वर्ष में कुछ छात्रों ने इस योजना का लाभ लिया।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से ज्ञात हुआ कि दंतेवाड़ा जिले में केन्द्र व राज्य सरकार के शैक्षिक योजनाओं के उचित क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिले मे शैक्षिक संस्थाओं को बुनियादी सुविधाओं तैयार करने, मरम्मत एवं रखरखाव जैसे खर्चे जिले में स्थित एन. एम. डी. सी. बैलाडिला के सी. एस. आर. मद से समय–समय पर विशेष वित्तीय सहायता प्राप्त हो जाता है । शैक्षिक संस्थाओं का संचालन खर्च शासन की बजट विशेषकर राजीव गॉधी शिक्षा मिशन कोष से निर्वहन किया जाता है। जिससे जिले मे शैक्षिक संस्थाओं के संचालन सुगमतापूर्वक किया जा रहा है। फलतः क्षेत्रवासियों को बेहतर शिक्षा सुविधा प्रदान करने के लिए स्थानीय स्तर पर जिला प्रशासन पुरी टीम के साथ जुटी हुई है, जिससे आने वाले समय में दंतेवाड़ा जिले में शिक्षा रूपी प्रकाश की किरणें बलवती हो सकेगीं ।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. कोल मिताली (2012),महिला सशक्तीकरण दशा एवं दिशा गायत्री पब्लिकेशन्स रीवा म.प्र. ।
2. झा और नैयर (2014) छत्तीसगढ़ समग्र छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी रायपुर
3. अग्रवाल एवं पाण्डेय (2015) सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी, एस.बी. पी. डी. पब्लिशिग हाऊस आगरा म.प्र.
4. कार्यालय .जिला प्रशासन दंतेवाड़ा
5. कार्यालय .छु लो आसमान कन्या आवासीय परिसर कारली, दंतेवाड़ा
6. कार्यालय .पोर्टाकेबिन कन्या आवासीय परिसर चितालुर, दंतेवाड़ा
7. कार्यालय .नन्हे परिन्दे, जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र पातररास
8. कार्यालय .कन्या शिक्षा परिसर पातररास
9. कार्यालय .आस्था विद्या मंदिर जावंगा, गीदम
10. कार्यालय .सक्षम–2 कन्या आवासीय परिसर जावंगा, गीदम
11. कार्यालय .जिला परियोजना लाइवलीहुड कालेज सोसायटी
12. कार्यालय .लक्ष्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र दंतेवाड़ा